RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 319
दि. 23.03.2026, सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन से पहले सारी तैयारी चेक करने खुद पहुंचे सीएम योगी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन की उल्टी गिनती शुरू! सीएम योगी आदित्यनाथ ने जेवर पहुंचकर रनवे और कार्गो टर्मिनल का निरीक्षण किया. जानें 28 मार्च के कार्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था और 'नमो वन' जैसी सुविधाओं का पूरा विवरण.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के विकास के इतिहास में 28 मार्च का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होने जा रहा है. देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट, 'नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट' (जेवर) के भव्य उद्घाटन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को खुद जेवर पहुंचकर तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे 'विश्वस्तरीय' बनाने के कड़े निर्देश दिए. जेवर की धरती से उड़ान भरने का सपना अब हकीकत बनने के बेहद करीब है. आगामी 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे. इसी ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारियों को परखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अचानक जेवर पहुंचे. सीएम ने न केवल स्थलीय निरीक्षण किया, बल्कि

मैराथन बैठक कर अधिकारियों को 'जीरो टॉलरेंस' के साथ व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए.

ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पैसेंजर टर्मिनल से लेकर रनवे और कार्गो टर्मिनल तक के हर कोने का मुआयना किया. उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण मार्ग, जनसभा स्थल (रैली ग्राउंड), हेलीपैड और पार्किंग व्यवस्थाओं की जानकारी ली. सीएम ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम केवल एक उद्घाटन नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की नई ब्रांडिंग का जरिया बनना चाहिए.

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस और प्रशासन ने प्रजेंटेशन के जरिए सुरक्षा खाका पेश किया. कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था चार स्तरीय रखने का निर्णय लिया गया है. इसमें पुलिस, विशेष बल और वालंटियर्स की भारी तैनाती होगी. ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों और साइनेज की व्यवस्था समय से पहले पूरी करने को कहा गया है. बैठक में सीएम योगी ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए. निर्देश दिए गए हैं कि पार्किंग स्थलों पर मोबाइल शौचालय, हेल्प डेस्क, पीने का पानी और मेडिकल टीम हर वक्त तैनात रहे. एयरपोर्ट और रैली स्थल की ओर आने वाले सभी मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए. कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति में एक सेकंड की भी कटौती न हो.

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक धीरेंद्र सिंह, तेजपाल नागर, मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी, यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह (अतिरिक्त प्रभार/राकेश कुमार सिंह), पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेधा रूपम समेत शासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने से न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को नई रफ़्तार मिलेगी. सीएम योगी के इस दौरे ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार इस प्रोजेक्ट को लेकर कितनी गंभीर है.

पीएम ने पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में स्थिति और राहत उपायों की समीक्षा के लिए सीसीएस बैठक की अध्यक्षता की

आवश्यक वस्तुओं की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई

किसानों के लिए उर्वरकों के वैकल्पिक स्रोतों पर भी चर्चा की गई ताकि भविष्य में इनकी लगातार उपलब्धता सुनिश्चित हो सके

रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवश्यक आयात के स्रोतों में विविधता लाने के लिए कई उपायों पर चर्चा की गई

भारतीय सामानों को बढ़ावा देने के लिए निकट भविष्य में नए निर्यात स्थलों को विकसित किया जाएगा

प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी अंग मिलकर काम करें ताकि नागरिकों को कम से कम असुविधा हो

मंत्रियों और सचिवों का समूह बनाया जाए जो 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के साथ पूरी लगन से काम करे: प्रधानमंत्री का निर्देश

क्षेत्रीय समूह सभी हितधारकों के परामर्श से काम करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित करने को कहा ताकि जरूरी वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी न हो

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में स्थिति और चल रहे तथा प्रस्तावित राहत उपायों की समीक्षा के लिए मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों कीसमिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की।

कैबिनेट सचिव ने वैश्विक स्थिति और भारत सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा अब तक उठाए गए तथा नियोजित राहत उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कृषि, उर्वरक, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, एमएसएमई, निर्यातक, शिपिंग, व्यापार, वित्त, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य सभी प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षित प्रभाव और उससे निपटने के लिए उठाए गए उपायों पर चर्चा की गई। देश में समग्र वृहद-आर्थिक परिदृश्य और आगे किए जाने वाले उपायों पर भी चर्चा की गई।

पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। बैठक में भारत पर इसके प्रभाव का आकलन किया गया और तत्काल तथा दीर्घकालिक, दोनों तरह के जवाबी उपायों पर चर्चा की गई।

भोजन, ऊर्जा और ईंधन सुरक्षा सहित आम आदमी के लिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता का विस्तृत आकलन किया गया।

आवश्यक वस्तुओं की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों पर पड़ने वाले असर और खरीफ मौसम के लिए उनकी खाद की जरूरतों का आकलन किया गया। पिछले कुछ वर्षों में खाद का पर्याप्त भंडार बनाए रखने के लिए जो कदम उठाए गए हैं, उनसे समय पर खाद की उपलब्धता और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। भविष्य में खाद की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद के वैकल्पिक स्रोतों पर भी चर्चा की गई।

यह भी तय किया गया कि सभी बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार होने से भारत में बिजली की कोई कमी नहीं होगी।

केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए जरूरी आयात के स्रोतों में विविधता लाने के लिए कई उपायों पर चर्चा की गई। इसी तरह, भारतीय सामानों को बढ़ावा देने के लिए निकट भविष्य में निर्यात के नए गंतव्य विकसित किए जाएंगे।

विभिन्न मंत्रालयों द्वारा प्रस्तावित कई उपायों को सभी हितधारकों से परामर्श के बाद आने वाले दिनों में तैयार और लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि मंत्रियों और सचिवों का समूह बनाया जाए, जो 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के तहत पूरी लगन से काम करे। प्रधानमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि क्षेत्रीय समूह सभी हितधारकों के साथ परामर्श से काम करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संघर्ष लगातार बदलती हुई स्थिति है और इससे पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में प्रभावित है। ऐसी स्थिति में, नागरिकों को इस संघर्ष के प्रभाव से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी अंग मिलकर काम करें, ताकि नागरिकों को कम से कम असुविधा हो। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए भी कहा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी न हो।

'हम दिल्ली-मुंबई को बनाएंगे निशाना', पाकिस्तान के पूर्व राजदूत अब्दुल बासित की गीदड़ भभकी

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित का एक भड़काऊ बयान इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर बातचीत के दौरान बासित ने भारत के खिलाफ "गीदड़भभकी" देते हुए कहा कि यदि अमेरिका कभी पाकिस्तान पर सैन्य हमला करता है, तो पाकिस्तान को आत्मरक्षा में भारत के दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों को निशाना बनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस स्थिति को 'असंभव' और 'अंतिम विकल्प' करार दिया, लेकिन भारत की आर्थिक और राजनीतिक राजधानी का नाम लेने पर कड़ा विरोध शुरू हो गया है।

बासित, जो 2014 से 2017 तक भारत में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रह चुके हैं, के इस बयान को कूटनीतिक हलकों में गैर-जिम्मेदाराना माना जा रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान खुद अफगानिस्तान के साथ सीमा विवाद और आंतरिक आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की बयानबाजी केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान भटकाने और घरेलू स्तर पर कट्टरपंथियों को खुश करने की एक कोशिश है।

अब्दुल बासित ने चर्चा के दौरान तर्क दिया कि अगर पाकिस्तान पर कोई विदेशी हमला (खासकर अमेरिका की तरफ से) होता है, तो पाकिस्तान को बिना सोचे-समझे

भारत पर हमला कर देना चाहिए। उनका कहना था कि ऐसी स्थिति में पाकिस्तान के पास भारत के खिलाफ मोर्चा खोलने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचेगा। बासित ने भले ही इसे सबसे खराब स्थिति (वर्स्ट केस सिनेरियो) बताया हो, लेकिन सीधे तौर पर दिल्ली और मुंबई का नाम लेना तनाव बढ़ाने वाला बयान माना जा रहा है।

अब्दुल बासित कोई अनजान व्यक्ति नहीं हैं, वह 2014 से 2017 तक भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रह चुके हैं। तीन साल तक दिल्ली में रहने के कारण वह भारत की राजनीति और भूगोल को अच्छी तरह समझते हैं। उनके जैसे अनुभवी राजनयिक की ओर से इस तरह की "गीदड़भभकी" आना हैरान करने वाला है। जानकारों का मानना है कि बासित का यह बयान केवल ध्यान खींचने और पाकिस्तान के घरेलू दर्शकों को खुश करने के लिए दिया गया है।

क्षेत्र में बढ़ता तनाव

यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान खुद अपने पड़ोसियों के साथ मुश्किलों में घिरा है। एक तरफ जहां भारत के साथ रिश्ते पहले से ही ठंडे हैं, वहीं दूसरी तरफ अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का सैन्य टकराव बढ़ता जा रहा है। तालिबान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने उनके रिहायशी इलाकों में हवाई हमले किए हैं, जिसमें आम नागरिकों की जान गई है। अपने घर में मची इसी उथल-पुथल से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान में अक्सर भारत का नाम लिया जाता है।

बयान पर क्यों मचा है बवाल?

बासित के इस बयान की चौतरफा निंदा हो रही है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर आम नागरिकों वाले शहरों (दिल्ली और मुंबई) को निशाना बनाने की बात कही गई है। भारत के आर्थिक और राजनीतिक केंद्रों को धमकी देना किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम के खिलाफ है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खुद बहुत खराब है, ऐसे में युद्ध की बात करना केवल अपनी जनता को गुमराह करना है। भारत ने हमेशा शांति की बात की है, लेकिन ऐसी धमकियों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ' और 'केंद्रीय सचिवालय समूह-सी कर्मचारी संघ' सहित कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की

डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान सुनियोजित संवाद और सुधारों के माध्यम से किया जा रहा है

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की, जिनके नेतृत्व में कैडर प्रबंधन और पदोन्नति प्रक्रियाओं में हाल ही में कई पहल की गई हैं, उन्होंने विभाग द्वारा हाल के वर्षों में दी गई लगभग 10,000 सामूहिक पदोन्नतियों की भी प्रशंसा की, जिससे कर्मचारियों की गति की बाधा दूर हुई है और साथ ही उनका मनोबल बढ़ा है

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनको होने वाली असुविधाओं पर संबंधित विभागों के परामर्श से विचार किया जाएगा

(जीएनएस)।

सेवा से जुड़े मामलों में लगातार जुड़ाव और समय पर समाधान की जरूरत पर जोर देते हुए, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान और राज्य मंत्री पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि सभी विभागों में प्रशासनिक दक्षता और करियर में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ व्यवस्थित बातचीत जरूरी है।

डॉ. जितेंद्र सिंह "सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ" और "केंद्रीय सचिवालय समूह-सी कर्मचारी संघ" सहित कर्मचारी निकायों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें सर्वे ऑफ

इंडिया, इसरो, इंडिया पोस्ट और अन्य संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे, जहां कैडर पुनर्गठन, पदोन्नति और सेवा शर्तों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके नेतृत्व में कैडर प्रबंधन और पदोन्नति प्रक्रियाओं में हाल ही में कई नई शुरूआत की गई हैं।

उन्होंने बताया कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सक्रिय दृष्टिकोण के चलते हाल के वर्षों में 10,000 से अधिक कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है, जिससे कर्मचारियों को काफी लाभ हुआ है।

और कई सेवाओं में विकास की बाधाओं को दूर करने में मदद मिली है। उन्होंने इन सुधारों को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को धन्यवाद दिया और स्वीकार किया कि इन उपायों का सभी विभागों में करियर की उन्नति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

प्रतिनिधिमंडलों ने मंत्री के समक्ष कैडर पुनर्गठन, वेतन समानता, भत्ते और पदोन्नति के अवसरों से संबंधित कुछ विषय भी रखे, विशेष रूप से सर्वे ऑफ इंडिया और इसरो जैसे संगठनों में। प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के निरंतर मार्गदर्शन में, इन विषयों को एक सुनियोजित और आपसी सहयोग के माध्यम से हल किया जाएगा।

भारत विद्युत शिखर सम्मेलन 2026 का समापन मजबूत वैश्विक भागीदारी, ठोस परिणामों तथा लचीले, भविष्य के लिए तैयार विद्युत क्षेत्र रोडमैप के साथ हुआ

(जीएनएस)।

भारत विद्युत शिखर सम्मेलन (बीईएस) के पहले संस्करण का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ, जिसमें नीति निमार्ताओं, वैश्विक विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, निवेशकों एवं नवप्रवर्तकों को विद्युत क्षेत्र के भविष्य पर विचार-विमर्श करने तथा वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति प्रदान करने के लिए एक मंच पर लाया गया। सम्मेलन में व्यापक चर्चा, उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बातचीत और महत्वपूर्ण व्यापारिक संपर्क दिखाई दिया, जिससे वैश्विक ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की नेतृत्व क्षमता को मजबूती मिली।

इस शिखर सम्मेलन को असाधारण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसमें 35,000 से अधिक प्रदर्शनी प्रतिभागी, 28 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, 80 से अधिक स्टार्टअप सहित 200 से अधिक प्रदर्शनी कंपनियां, 6,000 से अधिक प्रतिनिधि, 300 से अधिक वक्ता और 100 से अधिक सम्मेलन सत्र शामिल थे, जो इसके स्तर एवं वैश्विक महत्व को दशार्ते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए, भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता प्राप्त करने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और पहले ही 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म क्षमता का महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर चुका है। 'एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड' जैसी पहलें वैश्विक ऊर्जा सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और भी ज्यादा स्पष्ट करती हैं।

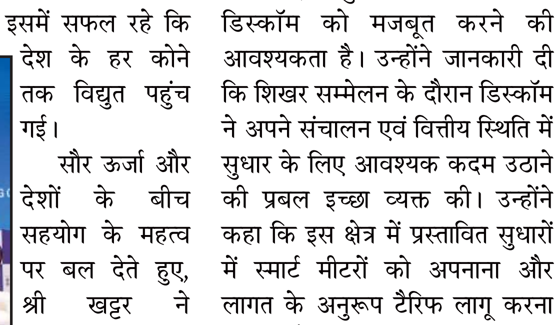

अपने समापन भाषण में, केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि शिखर सम्मेलन बहुत सफल रहा और इसमें विद्युत क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों की प्रभावशाली भागीदारी देखी गई। पहला विद्युत शिखर सम्मेलन होने के बावजूद, इसमें अभूतपूर्व भागीदारी एवं सार्थक चचाएं देखने को मिलीं। उन्होंने कहा कि वह विशेष रूप से शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप्स की भागीदारी और इस क्षेत्र में उनके द्वारा लाए गए नवाचारों से बहुत प्रसन्न हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के पास 2047 तक विकसित भारत के लिए एक दृष्टिकोण है और इस दृष्टिकोण की प्राप्ति के लिए, विद्युत एक सामान्य संसाधन है जिसकी आवश्यकता सभी आर्थिक हितधारकों एवं नागरिकों को है।

उन्होंने कहा कि 'सौभाग्य योजना' के अंतर्गत हम इसमें सफल रहे कि देश के हर कोने तक विद्युत पहुंच गई।

सौर ऊर्जा और देशों के बीच सहयोग के महत्व पर बल देते हुए, श्री खट्टर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों का उल्लेख किया जो 'एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड' है।

उन्होंने कहा कि ये शब्द दशार्ते हैं कि हमें एक वैश्विक परिवार के रूप में एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। हमारा ध्यान स्थिरता पर होना चाहिए और इसलिए नवीनीकरणीय ऊर्जा सहित सौर ऊर्जा का विस्तार बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान कई देशों और विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के साथ सार्थक चचाएं हुई। इससे स्पष्ट रूप से यह बात सामने आई कि भारत और अफ्रीकी देशों के बीच विद्युत क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की पारस्परिक रूप से लाभकारी संभावना मौजूद हैं।

श्री खट्टर ने कहा कि विभिन्न कार्यों एवं सुधारों के माध्यम से डिस्कॉम को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि शिखर सम्मेलन के दौरान डिस्कॉम ने अपने संचालन एवं वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रबल इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रस्तावित सुधारों में स्मार्ट मीटरों को अपनाना और लागत के अनुरूप टैरिफ लागू करना शामिल है।

केंद्रीय विद्युत मंत्री ने यह भी घोषणा किया कि बीईएस का अगला संस्करण 2028 में गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किया जाएगा।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए,केंद्रीय विद्युत एवं एमएनआरई राज्य मंत्री श्री श्रीपाद नाइक ने कहा कि शिखर सम्मेलन में हमारी चचाओं से जो बात सबसे स्पष्ट रूप से सामने आयी है वह यह है कि भारत का विद्युत क्षेत्र केवल विस्तार ही नहीं कर रहा है बल्कि यह एक गहन समन्वित संघीय संरचना के माध्यम से आगे बढ़ रहा है, जहां राष्ट्रीय दृष्टिकोण और राज्य के नेतृत्व में कार्यान्वयन निर्बाध रूप से संरेखित हैं।

नवरात्रि में मानवता की मिसाल: बृज की रसोई ने जरूरतमंदों को कराया सम्मानपूर्वक भोजन

हलुआ-चना, चावल का प्रसाद वितरित आशियाना क्षेत्र में इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का सराहनीय आयोजन: बलवंत सिंह

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का सेवा प्रकल्प बना मानवता की मिसाल: राजीव पाण्डेय

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में 22 मार्च 2026 प्रेरणाश्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के अंतर्गत आशियाना क्षेत्र में निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद, असहाय और वंचित वर्ग तक सम्मान के साथ सेवा और संवेदना पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सेवा, सहायता से आगे बढ़कर मानवता के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी है। इसी भावना से प्रेरित इस आयोजन में 1500 से अधिक जरूरतमंद भाई-बहनों ने सहभागिता निभाई जिन्हें पूरी गरिमा और सुव्यवस्था के साथ प्रसाद स्वरूप चना, आलू, चावल एवं हलुआ वितरित किया गया। हर चेहरे पर संतोष और हर हाथ में सम्मान यही इस सेवा की सबसे बड़ी सफलता रही यह आयोजन केवल भूख मिटाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समरसता, अपनत्व और सहयोग की एक सुंदर मिसाल बन गया राम कुमार दोहरे ने सभी से अपील की कि जीवन के खास पलों जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि या किसी भी खुशी के अवसर को और भी सार्थक बनाइये। हमारे इस पुण्य सेवा कार्य से जुड़कर उन लोगों के जीवन में खुशियाँ बाँटिए जिनके पास अक्सर खुश होने के मौके कम होते हैं। आपका छोटा सा सहयोग किसी बच्चे की मुस्कान, किसी माँ की तसल्ली, और किसी बुजुर्ग की दुआ बन सकता है। आइए हाथ बढ़ाइए क्योंकि किसी के हिस्से की रोटी बनना, सबसे बड़ी इंसानियत है विकास पाण्डेय ने अवगत कराया कि संस्था के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया, जिससे सेवा कार्य की गरिमा बनी रही। वहीं आशीष श्रीवास्तव ने कहा सेवा के दौरान सामाजिक समरसता, सहयोग भावना एवं मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला, जिसने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायक बना दिया। संस्था के सदस्य अनुराग दुबे ने अवगत कराया कि एक ही ध्येय, प्राणी मात्र सेवा के संकल्प के साथ यह सेवा अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है और भविष्य में भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में सी. एच. तिवारी, रामकुमार दोहरे, राजीव पाण्डेय, बलवंत सिंह, आशीष श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, अर्पित रावत, शिव मोहन, विकास पाण्डेय, अखिलेश सिंह, गोविन्द सिंह सहित अनेक समाजसेवियों की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही।

राज कंस्ट्रक्शन के डंपर से 134 लीटर डीजल चोरी, सम्राट ढाबा मालिक मोहम्मद तालिब गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,जहानाबादेपुलिस ने डीजल चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हाईवे निर्माण कार्य में लगी 'राज कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड' (फऊछ) के डंपर से डीजल चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी का डीजल और उसे रखने में इस्तेमाल की गई केन बरामद हुई।

यह घटना कुछ दिन पहले जहानाबाद थाना क्षेत्र के सम्राट ढाबा के पास हुई थी। आरसीएल कंपनी के डंपर से रात के समय 150 से 200 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया था। डंपर चालक जितेंद्र सिंह ने थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

मुकदमा दर्ज और पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार बिश्नोई के निर्देश पर टीम ने मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए ग्राम निसरा निवासी तालिब पुत्र ताहिर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी तालिब के पास पांच प्लास्टिक की केन में कुल 134 लीटर चोरी का डीजल मिला। पूछताछ में तालिब ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सक्रिय था डीजल चोर गिरोह

पुलिस के मुताबिक तालिब क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय था। वह अक्सर हाईवे किनारे ढाबों और सड़क निर्माण कार्य में लगी मशीनों से रात के समय डीजल चोरी करता था।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस चोरी में उसके साथी या डीजल खरीदने वाला कोई गिरोह शामिल तो नहीं।

जहानाबाद थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेज दिया गया है और जांच जारी है।

विवाहिता का सनसनीखेज आरोप:देवरों ने छेड़छाड़ की,दुष्कर्म प्रयास पर ससुराल ने ठुकराया

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बरखेड़ा थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने तीन देवरों पर अश्लील हरकतें करने और दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि न्याय की बजाय ससुराल ने उसे प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता का पति शराब का आदी है और अक्सर घर से बाहर रहता है। घर में मौजूद तीनों देवर लंबे समय से उसके साथ अश्लील हरकतें कर रहे थे। पीड़िता ने बताया कि जब उसने विरोध किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

जबरन कमरे में खींचकर दुष्कर्म का प्रयास

पीड़िता के अनुसार, लगभग सात माह पहले तीनों देवरों ने उसे जबरन एक कमरे में खींच लिया और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। जब उसने अपने पति, सास और ससुर से शिकायत की, तो मदद करने की बजाय उसे चुप रहने की हिदायत दी गई। ससुराल वालों ने कहा, "यदि तुम्हें इस घर में रहना है, तो हमारे लड़कों की बात माननी पड़ेगी।"

पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने में अड़चन

दुष्कर्म के प्रयास के बाद जब पीड़िता ने पुनः परिजनों से शिकायत की, तो उसे बुरी तरह पीटा गया और घर से निकाल दिया गया। पीड़िता गजरौला थाने गई, लेकिन प्रारंभमें पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद उसने रढ पीलीभीत को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मुकदमा दर्ज, जांच जारी

अब गजरौला पुलिस ने पूरे मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना अध्यक्ष ब्रजवीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'मिस्टर पीलीभीत' की आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़का वाल्मीकि समाज का गुस्सा: गैस चौराहे पर चक्का जाम, पुलिस ने दिया कार्रवाई का भरोसा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर वसीम रजा उर्फ 'मिस्टर पीलीभीत' द्वारा दलित समाज पर की गई जातिसूचक टिप्पणी के खिलाफ वाल्मीकि समाज सड़कों पर उतर आया। रविवार को शहर के गैस चौराहे पर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात ठप हो गया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के खिलाफ तत्काल गिरफ्तारी और रउ/रळ एक्ट व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। जमकर नारेबाजी करते हुए उन्होंने 'मिस्टर पीलीभीत' पेज बंद करने और दोषी को जेल भेजने का अल्टीमेटम दिया। पूर्व में हिंदू देवी-देवताओं पर टिप्पणी करने वाले वसीम के इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है।

हंगामे की सूचना पर भारी पुलिस बल के साथ आला अधिकारी पहुंचे। सुनगढ़ी थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने प्रदर्शनकारियों को समझाते हुए कहा कि शिकायत पर जांच चल रही है और साइबर सेल वीडियो की पड़ताल कर रही। ठोस आश्वासन के बाद ही चक्का जाम समाप्त हुआ।

विवाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व भ्रमण के दौरान बने वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें वसीम ने दलित समाज के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष पंकज शर्मा ने भी आंदोलन की चेतावनी दी थी। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि जल्द गिरफ्तारी न हुई तो जिले भर में बड़ा आंदोलन होगा। फिलहाल पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पीलीभीत के जरूरतमंद मरीजों को मिली, 8.50 लाख की भारी आर्थिक सहायता

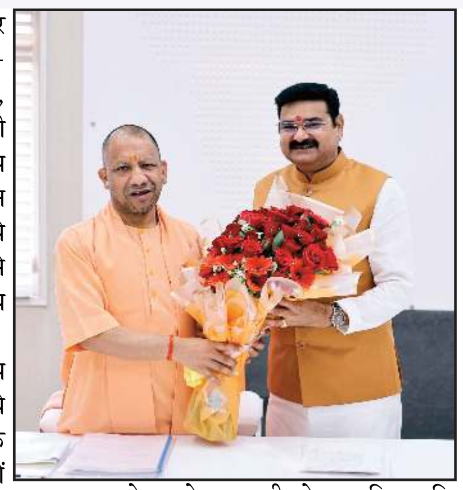

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता का एक और उदाहरण देखने को मिला है, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विवेकाधीन कोष से पीलीभीत जिले के कई गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए कुल 8.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह सहायता विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए स्वीकृत हुई, जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। गन्ना उद्योग राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की सक्रिय पहल और सिफारिश पर यह लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा, जिससे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ परिवारों को बड़ी राहत मिली।

जिला प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई है। इनमें कैंसर, हृदय रोग, किडनी संबंधी विकार और अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीज शामिल हैं इसी प्रकार अन्य मरीजों को भी अलग-अलग राशि प्रदान की गई, जो दिल्ली, लखनऊ, बरेली और पीलीभीत के स्थानीय अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। कुल 8.50 लाख रुपये की यह धनराशि 10 से अधिक परिवारों के बीच वितरित की गई।

गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बताया कि वे नियमित रूप से जिले के विधायकों, समाजसेवियों और प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़कर ऐसी जरूरतों का आकलन करते हैं। "मुख्यमंत्री जी का यह कोष गरीबों का सबसे बड़ा सहारा है। पीलीभीत जैसे ग्रामीण जिले में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, वहां ऐसी सहायता जीवनरक्षक साबित होती है। हमारी सरकार गरीबी और बीमारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है," उन्होंने कहा। राज्यमंत्री ने आगे यह भी ऐलान किया कि आगामी महीनों में इसी तरह की और सहायताएं सुनिश्चित की जाएंगी, विशेषकर किसान और मजदूर परिवारों के लिए।

जिला मजिस्ट्रेट ने इस सहायता को पारदर्शी और त्वरित बताते हुए कहा कि आवेदन प्रक्रिया को और सरल बनाया जा रहा है। अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लोग आसानी से आवेदन कर सकेंगे। एसपी ने भी इसे कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक कल्याण का हिस्सा बताया। जरूरतमंद परिवारों ने खुशी जताते हुए कहा कि यह राशि उनके लिए संकटमोचन बनी। एक लाभार्थी ने कहा, "हम इलाज के लिए कर्ज के जाल में फंस रहे थे, लेकिन अब बेटे का इलाज हो सकेगा। राज्यमंत्री जी और सीएम साहब का लाख-लाख धन्यवाद।"

यह पीलीभीत में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को नई गति देगी। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अब विशेष कैंप लगाए जाएंगे, जहां विवेकाधीन कोष की जानकारी दी जाएगी। सरकार की इस योजना से न केवल मरीजों को राहत मिल रही है, बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ रहा है। पीलीभीतवासी उम्मीद कर रहे हैं कि ऐसी योजनाएं लगातार जारी रहेंगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य के पीलीभीत प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत, जगह-जगह हुआ सम्मान

(जीएनएस)।

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री गोकुल प्रसाद मौर्य के जनपद में प्रथम आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। जिला सीमा में प्रवेश करते ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। जगहझ जगह स्वागत द्वार बनाए गए, ढोलझनगाड़ों, बैंडझ बाजों, फूलझमालाओं और जयझजयकारों के बीच जिलाध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन हुआ।

मेडिकल हॉस्पिटल से पूरनपुर तक स्वागत की धूम

जिलाध्यक्ष का काफिला मेडिकेयर हॉस्पिटल, सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के कजरी निरंजनपुर स्थित पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक कॉलेज ऑफ फामेर्सी मेडिकल हॉस्पिटल परिसर में पहली बार रुका, जहां भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की बागडोर अस्पताल के एमडी डॉ. अमित मिश्रा ने संभाली। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए और जिलाध्यक्ष को फूलझमालाओं से 'लाद' कर स्वागत किया।

ढोलझनगाड़ों की धुन, 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों और उत्साहित जनसैलाब के बीच पूरा परिसर गूंज उठा। मंच पर उपस्थित पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। स्थानीय लोगों ने भी उत्साह के साथ भागीदारी की, जिससे कार्यक्रम का रूप और भी भव्य हो गया।

गढ़वाखेड़ा और भोपतपुर में भी भव्य स्वागत

इसके बाद जिलाध्यक्ष का काफिला गढ़वाखेड़ा की ओर रवाना हुआ। रास्ते में कई स्थानों पर काफिला रोककर कार्यकताओं ने फूल बरसाए और पारंपरिक ढोलझ नगाड़ों के साथ अभिनंदन किया। गढ़वाखेड़ा में आयोजित सम्मान समारोह में भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और जिलाध्यक्ष के नेतृत्व पर अटूट विश्वास जताया।

काफिला बाद में भोपतपुर (पूरनपुर ब्लॉक) पहुंचा, जहां पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह के नेतृत्व में मेले जैसा माहौल बन गया। हजारों की भीड़ में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों की भागीदारी देखने को मिली। सड़कें जनसैलाब में बदल गईं, लोगों ने फूलमालाएं पहनाकर और तालीझ ताली से जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। ढोलझनगाड़ों और बैंडझबाजों पर कार्यकर्ता झूमते नजर आए, जिससे सोमवार को भोपतपुर का वातावरण उत्सव में तब्दील हो गया।

विधायक और पदाधिकारियों ने रखा संबोधन

कार्यक्रम में पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक बाबूराम पासवान, जिला उपाध्यक्ष श्री लेखराज भारती सहित पार्टी के तमाम जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत संगठन की मजबूती है और सभी कार्यकर्ताओं को मिलझबैठकर बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना होगा।

जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी उन पर सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को घरझघर, गलीझगली तक पहुंचाना ही उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही, उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आ'ान किया और कार्यकर्ताओं में जो उत्साह और निष्ठा दिख रही है, उसे आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

उत्साह और वफादारी का मजबूत संदेश

जिलाध्यक्ष के प्रथम आगमन ने स्पष्ट संकेत दिया कि पीलीभीत जनपद में भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा बनी हुई है। ढोलझनगाड़ों, फूलों की वर्षा और जनसैलाब के बीच आयोजित यह स्वागत समारोह न केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम रहा, बल्कि पार्टी के प्रति जनता के विश्वास और उत्साह का जीवंत प्रतीक साबित हुआ। इस ऐतिहासिक दृश्य को लंबे समय तक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक अपनी स्मृतियों में संजोए रखेंगे।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पीलीभीत के जरूरतमंद मरीजों को मिली, 8.50 लाख की भारी आर्थिक सहायता

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता का एक और उदाहरण देखने को मिला है, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विवेकाधीन कोष से पीलीभीत जिले के कई गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए कुल 8.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह सहायता विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए स्वीकृत हुई, जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। गन्ना उद्योग राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की सक्रिय पहल और सिफारिश पर यह लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा, जिससे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ परिवारों को बड़ी राहत मिली।

जिला प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई है। इनमें कैंसर, हृदय रोग, किडनी संबंधी विकार और अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीज शामिल हैं इसी प्रकार अन्य मरीजों को भी अलग-अलग राशि प्रदान की गई, जो दिल्ली, लखनऊ, बरेली और पीलीभीत के स्थानीय अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। कुल 8.50 लाख रुपये की यह धनराशि 10 से अधिक परिवारों के बीच वितरित की गई।

गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बताया कि वे नियमित रूप से जिले के विधायकों, समाजसेवियों और प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़कर ऐसी जरूरतों का आकलन करते हैं। "मुख्यमंत्री जी का यह कोष गरीबों का सबसे बड़ा सहारा है। पीलीभीत जैसे ग्रामीण जिले में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, वहां ऐसी सहायता जीवनरक्षक साबित होती है। हमारी सरकार गरीबी और बीमारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है," उन्होंने कहा। राज्यमंत्री ने आगे यह भी ऐलान किया कि आगामी महीनों में इसी तरह की और सहायताएं सुनिश्चित की जाएंगी, विशेषकर किसान और मजदूर परिवारों के लिए।

जिला मजिस्ट्रेट ने इस सहायता को पारदर्शी और त्वरित बताते हुए कहा कि आवेदन प्रक्रिया को और सरल बनाया जा रहा है। अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लोग आसानी से आवेदन कर सकेंगे। एसपी ने भी इसे कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक कल्याण का हिस्सा बताया। जरूरतमंद परिवारों ने खुशी जताते हुए कहा कि यह राशि उनके लिए संकटमोचन बनी। एक लाभार्थी ने कहा, "हम इलाज के लिए कर्ज के जाल में फंस रहे थे, लेकिन अब बेटे का इलाज हो सकेगा। राज्यमंत्री जी और सीएम साहब का लाख-लाख धन्यवाद।"

यह पीलीभीत में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को नई गति देगी। जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अब विशेष कैंप लगाए जाएंगे, जहां विवेकाधीन कोष की जानकारी दी जाएगी। सरकार की इस योजना से न केवल मरीजों को राहत मिल रही है, बल्कि सामाजिक समानता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ रहा है। पीलीभीतवासी उम्मीद कर रहे हैं कि ऐसी योजनाएं लगातार जारी रहेंगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पड़ोसी देश के लिये चरित्रार्थ होरी हिलेरी क्लिंटन की बात 'आंगन में सांप पालोगे तो वे तुम्हें भी डसेंगे'

पाकिस्तान के बारे में पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिटन की यह बात सच साबित हुई कि यदि तुम अपने पड़ोसियों के लिए आंगन में सांप पालोगे तो वे तुम्हें भी डसेंगे। इंस्टीटूट फार इकोनामिक्स एण्ड पीस ने ग्लोबल टेररिज्म इण्डेक्स जारी करके खुलासा किया है कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा आतंकवाद पीड़ित देश बन चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में 2045 आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान, बुर्विनापासो, नाइजीरिया, नाइजर और कांगों में ही हुई हैं। ये संख्या दुनिया भर की आतंकी घटनाओं की 70 प्रातिशत है। यही नहीं सर्वाधिक आतंकी घटनाओं में मारे गए देशों की उक्त संख्या में से वुल 74 प्रातिशत अकेले पाकिस्तान मे हुई हैं।

दरअसल दुनिया के आतंकी घटनाओं की जो वुल 74 प्रातिशत घटनाएं मात्र पाकिस्तान में होती हैं और पाकिस्तान के वुल आतंकी घटनाओं में से 67 प्रातिशत अकेले बलूचिस्तान में आतंकी घटनाएं होती हैं। पाकिस्तान में बीएलए यानि बलूचिस्तान लिबरेशन आमा और टीटीपी यानि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तान की नाकों में दम कर रखा है। इसलिए आतंकवाद से मरने वालों का स्कोर बटोरने में इस्लामाबाद सबसे आगे है। पाकिस्तान बनाने में ब्रिटेन को इसलिए दिलचस्पी थी क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति सेंट्रल एशिया और मध्य पूर्व एशिया से सटी होने के कारण यह गेट वे के तौर पर बहुत अच्छा देश साबित होगा। पाकिस्तान चाहता तो वह सेंट्रल एशिया, अफगानिस्तान, ईरान, पामि एशिया, मध्य पूर्व एशिया और भारत के साथ आर्थिक सहयोग करता और पाकिस्तान इस क्षेत्र का चमकता हीरा बन जाता जिससे दुनिया का हर देश संबंध बनाने के लिए लालायित रहता। 1947 में जब पाकिस्तान बना तो इस्लामिक देशों ने तो इसलिए इस्लामाबाद की जमकर मदद की क्योंकि दुनिया का 57वां मुस्लिम राष्ट्र बन गया किन्तु ब्रिटेन, अमेरिका, चीन जैसे देशों ने तो पाकिस्तान से संबंध इसलिए बनाने की कोशिश की क्योंकि रणनीतिक एवं आर्थिक चुंगी के रूप में पाकिस्तान का इस्तेमाल बहुत अच्छे से होने की संभावना थी। पाकिस्तान की सरकारें और फौजी नेतृत्व दुनिया भर में अपनी मावे्रटिग बहुत पहले से ही कर रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान को अनुदान देने वालों की संख्या ज्यादा थी जबकि भारत को वुछ देशों को छोड़कर कोई भी इतना खुले दिल से मदद नहीं करता था। अमेरिका और पामि देशों ने भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को पसंद नहीं किया जबकि पाकिस्तान अमेरिकी सैन्य संगठनों का हिस्सा बन गया। अमेरिका कहने को तो लोकतांत्रिक देशों का नेता था। किन्तु वह सहजतापूर्वक उन देशों का इस्तेमाल करता रहा है जो जनाकांक्षाओं से कोई सरोकार नहीं रखते। ऐसी दो ही सरकारें होती है—पहली सैनिक तानाशाहों की और दूसरी इस्लामिक कट्टरपंथियों की। 1970 के दशक तक तो पाकिस्तान की अमेरिका ने इसलिए अनुदान देकर मालामाल किया क्योंकि इस्लामाबाद सोवियत संघ के मित्र भारत और कम्युनिस्ट चीन का पड़ोसी था और दोनों पर नजरें रखता था।

लेकिन जब 1970 के दशक की शुरूआत में रिचर्ड निक्सन काल में अमेरिका ने सोवियत संघ को रोकने के लिए चीन को पूंजीवादी बना दिया तब भी पाकिस्तान की अहमियत कम नहीं हुई बल्कि अफगानिस्तान में सोवियत हस्तक्षेप के कारण और बढ़ गई। पाकिस्तान अमेरिका और उसके साथी देशों तथा इस्लामिक देशों का ऐसा दुमछल्ला बना कि उद्योग धंधों और उत्पादकता में फिसड्डी होने के बावजूद जीडीपी में भारत से भी आगे रहता था। इसका मतलब उसे विदेशी अनुदान मिले थे। पाक सरकारों ने देश में शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य की तरफ बिल्वुल ध्यान नहीं दिया क्योंकि पाकिस्तान के समृद्ध वर्ग के लोग अपने बच्चों को पामि देशों में पढ़ने के लिए भेजते थे जो बाद में वहीं नौकरी करते थे और बस जाते थे। गरीब बच्चों के पढ़ने के लिए बचे मदरसे जहां अल्लाह और मुल्ला के अलावा वुछ पढ़ाया ही नहीं जाता था। पाकिस्तान एक सिक्योरिटी स्टेट होने के कारण कभी भी अपने बच्चों को हकीकत पढ़ाया ही नहीं। उन्होंने पाकिस्तान में इस्लामिक कट्टरता की घुट्टी बचपन से ही पिलाना शुरू कर दिया। उन्होंने बच्चों को यही पढ़ाया कि जो काफिर हैं उन्हें मुसलमान बनाओ अन्यथा मार डालो।

जल शक्ति मंत्री ने विश्व जल दिवस के अवसर पर जल महोत्सव 2026 के समापन समारोह में जल जीवन मिशन 2.0 के दिशानिर्देश डिजिटल रूप से जारी किए

इस अवसर पर, 5 राज्यों के 5 गांवों के समुदाय के साथ 5वां सुजल ग्राम संवाद आयोजित किया गया, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभव साझा किए गए

जल महोत्सव 2026 ने सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से 'जल संचय से जन भागीदारी' को गति प्रदान की

(जीएनएस)। जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने आज जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के परिचालन दिशानिर्देश जारी किए। यह घोषणा विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित जल महोत्सव 2026 और सुजल ग्राम संवाद के समापन के उपलक्ष्य में की गई। जल महोत्सव 2026 को 8 मार्च (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस) से 22 मार्च (विश्व जल दिवस) तक 15 दिनों के राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में मनाया गया। इस अभियान में व्यापक सामुदायिक भागीदारी रही और देशभर की ग्राम पंचायतों को पेयजल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए जल अर्पण किया गया।

समापन समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से भाग लेकर शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर जल महोत्सव 2026 पर एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें अभियान के दौरान प्रमुख गतिविधियों और प्रख्यात नेताओं द्वारा दिए गए संदेशों को प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय मंत्री द्वारा जल जीवन मिशन 2.0 के परिचालन दिशानिर्देशों का ई-प्रकाशन, ग्रामीण पेयजल प्रणालियों के संरचनात्मक सुधारों और दीर्घकालिक स्थिरता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए, जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक विस्तारित करना कैबिनेट की मंजूरी के बाद एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, जल जीवन मिशन केवल नल कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि एक ऐसा मिशन है जिसने ग्रामीण भारत में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के जीवन को गरिमा, स्वास्थ्य और सुगम जीवन सुनिश्चित करके रूपांतरित किया है। जल जीवन मिशन के पहले चरण में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन जमीनी अनुभव से स्पष्ट है कि अब स्थिरता, कार्यक्षमता और सेवा वितरण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है और मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया है, जिसमें संरचनात्मक सुधारों और जवाबदेही पर नए सिरे से जोर दिया गया है , ताकि ग्रामीण परिवारों को दीर्घकालिक आधार पर नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल प्राप्त हो सके।

केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने जल संचय से जन भागीदारी को मजबूत करने के लिए जल उत्सव और नदी उत्सव जैसी पहलों को पूरे देश में मनाने की सलाह दी है, ताकि जल संरक्षण और जल प्रबंधन केवल सरकार द्वारा संचालित अभ्यास के बजाय जन-नेतृत्व वाला आंदोलन बन सके। उन्होंने कहा कि 8 से 22 मार्च तक मनाया गया जल महोत्सव 2026 इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में सफल रहा है, जिसमें ग्रामीण भारत भर में व्यापक सामुदायिक भागीदारी, जागरूकता गतिविधियां और जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन की दिशा में सामूहिक प्रयास देखने को मिले हैं।

उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वामित्व, जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करने के व्यापक संदर्भ में ही सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है, और संरचनात्मक सुधारों और शासन व्यवस्था में सुधार पर नए सिरे से जोर देते हुए मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया है। केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि जल जीवन मिशन 2.0 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण परिवारों को दीर्घकालिक आधार पर नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल मिले, और इसके लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के दृष्टिकोण

से हटकर सेवा वितरण उन्मुख मॉडल की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ा जाए।

सुधार संबंधी समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के तहत परिकल्पित संरचनात्मक सुधारों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल महोत्सव 2026 के दौरान अब तक नौ राज्यों ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे ग्राम स्तर पर स्थायी पेयजल सेवाएं प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। उन्होंने आगे जोर दिया कि राज्यों, जिलों और ग्राम पंचायतों को अब इन सुधारों को जमीनी स्तर पर ठोस परिणामों में बदलने के लिए निकट समन्वय में काम करना होगा।

इस अवसर पर बोलते हुए जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने कहा कि 8 से 22 मार्च तक मनाया गया जल महोत्सव 2026 एक राष्ट्रव्यापी जन भागीदारी आंदोलन में तब्दील हो गया, जिसमें सामुदायिक सभाएं, जागरूकता अभियान, स्कूलों में भागीदारी और देश भर की ग्राम पंचायतों को जल अर्पण के माध्यम से संपत्तियां हस्तांतरित की गईं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल संरक्षण और पेयजल सेवा वितरण केवल एक अभियान अवधि तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि यह सभी हितधारकों की दैनिक सामूहिक जिम्मेदारी बननी चाहिए।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए श्री सोमन्ना ने कहा कि सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करना राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है और जल महोत्सव 2026 ने देश भर में सामुदायिक भागीदारी को और मजबूत किया है। उन्होंने जल जीवन मिशन 2.0 की स्वीकृति पर भी प्रकाश डाला, जिसका मुख्य उद्देश्य संरचनात्मक सुधार, बेहतर शासन व्यवस्था और ग्रामीण पेयजल प्रणालियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। सुधार से जुड़े समझौता ज्ञापनों से प्रभावी कार्यान्वयन को बल मिलता है, जो केंद्र और राज्य सरकारों की मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

राज्य मंत्री श्री सोमन्ना ने जल की गुणवत्ता, स्थिरता और सामुदायिक स्वामित्व के महत्व पर जोर देते हुए सुजल ग्राम संवाद को ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने की एक प्रमुख पहल बताया। जल संरक्षण और कुशल जल उपयोग के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का आ'ान करते हुए उन्होंने दोहराया कि जल जीवन मिशन एक जन आंदोलन है जिसका उद्देश्य हर घर जल को प्राप्त करना और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देना है।

अपने आरंभिक संबोधन में, जल महोत्सव के दौरान जल स्रोतों और तालाबों की व्यापक सफाई और फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण जैसे व्यापक अभियान चलाए गए, जिससे जल सुरक्षा और प्रबंधन के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा हुई। उन्होंने कहा कि समुदायों और पंचायतों की व्यापक भागीदारी जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाने की दिशा में बढ़ते रुझान को दशार्ती है।

उन्होंने आगे कहा कि जेजेएम 2.0 परिचालन दिशानिर्देश ग्रामीण पेयजल सेवाओं के शासन को मजबूत करने के लिए एक स्पष्ट और व्यापक कार्ययोजना प्रदान करते हैं।

जेजेएम 2.0 के तहत उजागर किए गए प्रमुख सुधार क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं:

निर्धारित प्रदर्शन मानकों के साथ सुनिश्चित सेवा वितरण

राज्य, जिला और ग्राम पंचायत स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही

स्रोत संरक्षण, जल संरक्षण और सामुदायिक स्वामित्व के माध्यम से दीर्घकालिक स्थिरता

दिशा-निर्देश इस बात पर भी बल देते हैं कि जल स्रोतों की स्थिरता के बिना जल सेवाएं विश्वसनीय नहीं हो सकतीं, और इसलिए जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, अपघर्षक जल प्रबंधन और जलभंडार पुनर्भरण पर समन्वय का आ'ान करते हैं।

सुजल ग्राम संवाद गांवों की आवाजों को राष्ट्रीय मंच पर लाता है।

दिन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण पांचवां सुजल ग्राम संवाद था, जहां पांच राज्यों की पांच ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने पेयजल सेवाओं के प्रबंधन के अपने प्रत्यक्ष अनुभव साझा किए। इस संवाद से यह स्पष्ट हुआ कि जेजेएम 2.0 सुधार केवल नीतिगत अवधारणाएं नहीं हैं, बल्कि गांव स्तर पर शासन को आकार दे रहे हैं, जहां समुदाय जल प्रणालियों की ज़िम्मेदारी ले रहे हैं।

उत्तराखंडः ग्राम-हतनूर, ग्राम पंचायत-हतनूर, जिला- पौड़ी गढ़वाल

संवाद का शुभारंभ उत्तराखंड के हाटनूर ग्राम, हाटनूर पंचायत, हाटनूर जिले के एक सत्र से हुआ, जहां राष्ट्रीय गृह नगर परिषद (एनजेजेएम, डीडीडब्ल्यूएस) के निदेशक श्री प्रदीप सिंह ने सरपंच, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूली छात्रों, पंप संचालक और अन्य सामुदायिक प्रतिनिधियों से बातचीत की। सरपंच ने चौबीसों घंटे गुरुत्वाकर्षण आधारित जल आपूर्ति प्रणाली के सफल कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला, जिससे नियमित जल उपलब्धता सुनिश्चित होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि पानी की गुणवत्ता की नियमित रूप से फील्ड टेस्ट किट से जांच की जाती है और समय-समय पर सफाई की जाती है।

पंप ऑपरेटर ने बताया कि भारी बारिश और सिस्टम में आई दिक्कतों के बावजूद, गांव की रखरखाव टीम ने तुरंत पानी की आपूर्ति बहाल कर दी। समुदाय के सदस्यों ने बताया कि संचालन और रखरखाव स्थानीय लोगों के सहयोग से किया जाता है, जिससे सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित होता है। स्कूली छात्रों ने बताया कि नल के पानी से स्वच्छता में सुधार हुआ है और वे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

हरियाणाः ग्राम एवं ग्राम पंचायत – तेपला, जिला झ अंबाला

एनजेजेएम, डीडीडब्ल्यूएस की उप सचिव सुश्री अंकिता चक्रवर्ती ने हरियाणा के अंबाला जिले के टेपला गांव के वीडब्ल्यूएससी सदस्यों, सरपंच और ग्रामीणों से बातचीत की। समुदाय के सदस्यों ने फील्ड टेस्ट किट का उपयोग करके नियमित रूप से पानी की गुणवत्ता की जांच करने की जानकारी साझा की और बताया कि संचालन और रखरखाव के लिए प्रति परिवार प्रति माह 40 रुपये का उपयोगकर्ता शुल्क लिया जाता है। रिसाव और पंप की मरम्मत जैसी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाता है।

बातचीत के दौरान, जल शक्ति मंत्री ने सरपंचों से भी बातचीत की और जल की उपलब्धता, गुणवत्ता, घरों तक पहुंच और व्यवस्था की स्थिरता के बारे में जानकारी ली। जवाब में, यह बताया गया कि सभी घर ट्यूबवेल आधारित प्रणाली से जुड़े हुए हैं, पानी सुरक्षित है, नियमित रूप से क्लोरीनीकरण किया जाता है, और रखरखाव में सामुदायिक योगदान दिया जाता है।

जिला मजिस्ट्रेट श्री अजय सिंह तोमर ने बताया कि सभी को नल के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गई है और इसके लिए मजबूत निगरानी तंत्र लागू किए गए हैं।

केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड बना इंडियन प्रीमियर लीग सीजन 19 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रिंसिपल पार्टनर

लखनऊ, 22 मार्च 2026 : KEI इंडस्ट्रीज, जो भारत में तार और केबल के प्रमुख निमार्ताओं में से एक है, ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन 19 (जो 28 मार्च 2026 से शुरू हो रहा है) के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के साथ प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य पूरे भारत में डएक इंडस्ट्रीज के ब्रांड और व्यवसायिक उपस्थिति को और मजबूत करना है। आगामी क्ढछ सीजन देश के प्रमुख क्रिकेट स्टेडियमों में आयोजित होगा, जो ब्रांड विजिबिलिटी और एंगेजमेंट के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

इस सहयोग के तहत, डएकजमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने और वंचित वर्ग के युवा खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल भी कर रहा है, जो अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करने की उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पहल को प्रतिष्ठित क्रिकेटरों जैसे ऋषभ पंत ,मयंक यादव , अर्जुन तेंदुलकर अन्य खिलाड़ी सहित छरत्रृ टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस अवसर पर डएक इंडस्ट्रीज अपने नए प्रोडक्ट पैकेजिंग का भी अनावरण करेगा, जो ब्रांड के विकास में एक नया कदम होगा।प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में, डएक का लोगो आधिकारिक मैच जर्सी के सामने दाहिनी छाती पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित होगा, जिससे पूरे टूनार्मेंट के दौरान मैदान पर मजबूत ब्रांड विजिबिलिटी सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, लोगो विभिन्न ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन और फ्रेंचाइजी गतिविधियों में भी दिखाई देगा।

डएक इंडस्ट्रीज अपनी नवोन्मेषी और सतत विद्युत समाधान के लिए जानी जाती है, जिसमें गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाता है—जो लखनऊ सुपर जायंट्स की प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। एक सार्थक जमीनी पहल के तहत, डएक इंडस्ट्रीज, टीम छरत्रृ के साथ मिलकर, र३१ीं क्ल्र्

रस्रङ्ग१३२ ऋह्म४ल्लरुडद्भ्ल्ल के युवा प्रतिभाओं को विशेष क्रिकेट किट वितरण अभियान के माध्यम से समर्थन देगा—जो स्टेडियम के बाहर भी खेल की सच्ची भावना का उत्सव मनाता है।श्री अनिल गुप्ता, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, डएक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहाः'डएक हमेशा से भारत में क्रिकेट के विकास को, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, समर्थन देने में विश्वास रखता है। इस तरह की साझेदारियों के माध्यम से हम युवा और उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं और खेल के समग्र विकास में योगदान देते हैं। प्रमुख क्रिकेट मंचों पर हमारी निरंतर उपस्थिति देशभर के दर्शकों के साथ मजबूत संबंध बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।'

श्री मनोज कक्कड़, कार्यकारी निदेशक (सेल्स एवं मार्केटिंग), डएक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहाः'क्रिकेट हमारी जनसंपर्क रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमें देशभर में लाखों लोगों से जोड़ता है। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ यह साझेदारी हमें ब्रांड एंगेजमेंट को उद्देश्य के साथ जोड़ने का अवसर देती है—जहां हम युवा खिलाड़ियों को खेल के करीब लाने वाली पहलों का समर्थन कर सकते हैं।'

श्री अक्षत दिवियाज गुप्ता, कार्यकारी निदेशक, डएक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहाः'हम खेलों को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हमारी साझेदारी क्रिकेट के विकास में योगदान देने और अपने हितधारकों के साथ मजबूत संबंध बनाने की हमारी दृष्टि को दशार्ती है।'

श्री विनय चोपड़ा, उएड, फ्ढरत्रृ स्पोर्ट्स प्रा. लि. (लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए) ने कहाः'हमें डएकवायर एंड केबल्स जैसे मजबूत और प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। डएक अपनी स्थिरता-आधारित पहलों के लिए जाना जाता है, और यह साझेदारी हमारी दृष्टि के साथ पूरी तरह मेल खाती है। यह सहयोग डएक को छरत्रृ के अत्यधिक जुड़े हुए फैन बेस तक पहुंच प्रदान करेगा, और हमें विश्वास है कि यह ब्रांड की उपस्थिति को क्रिकेट

'नागिन' के सेट पर चढ़ा 'भूत बंगला' का खुमार, अक्षय कुमार और राजपाल यादव की स्पेशल एंट्री ने मचाया तहलका!

मुम्बई, बहुप्रतीक्षित 'भूत बंगला' को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म के गाने और टीजर ने वाकई दर्शकों को इस मस्ती भरी फैमिली एंटरटेनर के बारे में और जानने के लिए उत्साहित रखा है। इसी हलचल के बीच, अक्षय कुमार और राजपाल यादव शो 'नागिन' के सेट पर पहुंचे।

जैसे-जैसे 'भूत बंगला' का क्रेज बढ़ रहा है, अक्षय कुमार और राजपाल यादव ने 'नागिन' में एक स्पेशल अपीयरेंस दी। चल रहे एपिसोड में, अक्षय ने नागिन का मार्गदर्शन करने के लिए एक 'महा

नाग' की भूमिका निभाई। नागिन की टीम की तरफ से दोनों कलाकारों का भव्य स्वागत किया गया, जो देखने में वाकई एक बेहद खास पल था।

'भूत बंगला' के साथ अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की वो सुपरहिट जोड़ी वापस लौट रही है जिसका फैंस को लंबे समय से इंतजार था। इस जोड़ी ने पहले भी कई ऐसी यादगार कॉमेडी फिल्में दी हैं जो आज भी सबकी फेवरेट हैं, इसीलिए इस बार दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मजेदार कहानियों के लिए मशहूर इस जोड़ी के साथ आने से एक और धमाकेदार एंटरटेनर की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक हिस्सा) और केप ऑफ गुड फिल्म्स की पेशकश 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तबू और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और इसके प्रोड्यूसर्स अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फरसा वाले बाबा के निधन से ब्रज में छायी शोक लहर : विहिप ने की सख्त कार्रवाई की मांग

–गौरक्षा के दौरान बाबा के निधन को विहिप ने बताया अपूरणीय क्षति निष्पक्ष जांच और गौ-तस्करी रोकने को टॉस्क फोर्स की मांग

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) श्रीकृष्ण की नगरी में गौ-रक्षा के लिए समर्पित रहे गौभक्त फरसा वाले बाबा उर्फ चंद्रशेखर के निधन से पूरे ब्रज क्षेत्र में शोक की लहर छायी हुई है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए गौ-सेवा के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति बताया है। जानकारी के अनुसार प्रेसवार्ता करते विहिप ब्रज प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल ने कहा कि फरसा वाले बाबा, लंबे समय से सक्रिय रहकर गौकशों द्वारा ले जायी जा रहीं हजारों गायों की रक्षा करते रहे और संगठन को समय-समय पर मार्गदर्शन भी देते रहे। कहा कि विहिप ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन के सामने कई प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि संगठन ने फरसा वाले बाबा के निधन की घटना में तुरंत मुकदमा दर्ज करके निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही ब्रज क्षेत्र में गौ-तस्करी पर

प्रभावी रोक लगाने के लिए अन्य जिलों की तरहा विशेष टॉस्क फोर्स के गठन और चौकियां स्थापित करने की मांग की है। इसी के साथ विगत 21 मार्च को फरसा वाले बाबा के समर्थकों द्वारा किए गए धरना-प्रदर्शन के दौरान दर्ज मुकदमों को भी तुरंत निरस्त करने की मांग की है। विहिप ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस द्वारा किसी प्रकार से उत्पीड़न करने के लिए कोई कार्रवाई की तो इससे हालात और बिगड़ सकते हैं तथा व्यापक आंदोलन भी खड़ा हो सकता है। इस दौरान प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष सुनील पाराशर, सह मंत्री अभय प्रताप, जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह, गोकुलेश गौतम, नितिन चौधरी, योगेश गौतम, विभाग मंत्री देवेंद्र सिंह, हरीकिशन, विष्णु चौहान और वत्सल भाटिया समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय नौसेना के जहाज त्रिखंड ने सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया में अपना ठहराव पूरा किया

भारत और सेशेल्स के बीच अभ्यास लामितिये 2026 का पहला त्रि-सेवा संस्करण आयोजित किया गया

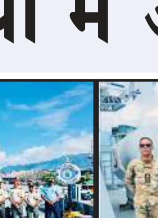

(जीएनएस)। भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट जहाज त्रिखंड, संवर्धन संबंधी बंदरगाह यात्रा पूरी करने के बाद 20 मार्च 2026 को सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया से रवाना हो गया।

जहाज के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन सचिन कुलकर्णी ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और सेशेल्स में भारत के उच्चायुक्त से मुलाकात की। जहाज ने सेशेल्स सरकार को महत्वपूर्ण पुर्जे और आवश्यक सामग्री भी सौंपी।

भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और सेशेल्स रक्षा बलों (एसडीएफ) के सदस्यों के साथ, आईएनएस त्रिखंड ने अभ्यास लामितिये 2026 के पहले त्रि-सेवा संस्करण में भाग लिया। यह अभ्यास लामितिये के 11वें संस्करण में भारतीय नौसेना की पहली भागीदारी है।

बंदरगाह चरण के दौरान, जहाज पर विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सीजर (वीबीएसएस) प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें संयुक्त बोर्डिंग अभ्यास भी शामिल थे। इसके बाद अभ्यास का समुद्री चरण शुरू हुआ, जिसके दौरान जहाज ने एससीजीएस ले विजिलेंट के साथ अभ्यास किया और भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो और एसडीएफ के विशेष बलों की एक टीम द्वारा समुद्र में संयुक्त बोर्डिंग अभियान चलाया गया। इसके बाद भारतीय सेना और सेशेल्स रक्षा बलों के सैनिकों ने प्रस्लिन द्वीप पर लैंडिंग की। एसडीएफ के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज मेजर जनरल माइकल रोसेट, एसडीएफ के डिप्टी चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज ब्रिगेडियर जीन अट्टाला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी अभ्यास के संचालन को देखने के लिए समुद्री चरण के दौरान आईएनएस त्रिखंड पर सवार हुए।

इस अभ्यास ने भारत और सेशेल्स के बीच अंतर-संचालनीयता बढ़ाने और समुद्री सहयोग को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। क्रियोल भाषा में 'मित्रता' का अर्थ रखने वाला ' लामितिये ' दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को दशार्ता है।

यह बंदरगाह पर आगमन भारत के महासागर (क्षेत्र भर में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण को दशार्ता है, और हिंद महासागर क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा भागीदार और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता बने रहने के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

सपा से आए देवी सिंह पटेल को भाजपा में मिली जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी... सोशल मीडिया पर बहस

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ /प्रयागराज
प्रयागराज के यमुनापार में भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारियों की सूची जारी होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। भाजपा के ही नेता करछना निवासी सुशील त्रिपाठी ने संगठन में जिला उपाध्यक्ष बनाए गए देवी सिंह पटेल की सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करके तंज कसा। इसी तरह करछना के अनुज शर्मा ने भी भाजपा के नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष देवी सिंह पटेल की सपा नेताओं के साथ फोटो शेयर कर बधाई देते हुए तंज कसा है।

बता दें कि हाल ही में बीजेपी यमुनापार जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला की नई टीम की घोषणा की गई। उसमें जिला उपाध्यक्ष के रूप में देवी सिंह पटेल का चयन किया गया है। देवी सिंह पटेल पूर्व विधायक राम सेवक पटेल के बेटे हैं। चर्चित संस्थान शुआट्स में वह बतौर शिक्षक भी कार्य किए। इसके अलावा वह समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ भी रहे। सोशल मीडिया पर लगातार तंज के बीच चचाओं का बाजार गर्म है। कमेंट बॉक्स में लोग तरह तरह की बातें कर रहे हैं। वहीं सपा से भाजपा में शामिल देवी सिंह पटेल को उनके समर्थक बधाई दे रहे हैं। माना जा रहा है कि करछना या मेजा से देवी सिंह पटेल चुनाव भी लड़ सकते हैं। दोनों विधानसभा सीटों पर देवी सिंह पटेल और उनके पिता पूर्व विधायक राम सेवक पटेल की अच्छी पैठ है।

प्रदेश अध्यक्ष मा० पंकज चौधरी जी की संस्तुति उपरांत जिला कार्यसमिति की घोषणा निम्नवत हैं।

क्रम	दायित्व	नाम
1	जिला उपाध्यक्ष	श्रीमती संतरा देवी बिन्द
2	जिला उपाध्यक्ष	श्री राजेश्वरी तिवारी
3	जिला उपाध्यक्ष	श्री पुष्पराज सिंह पटेल
4	जिला उपाध्यक्ष	श्री राजेश धनगर
5	जिला उपाध्यक्ष	श्रीमती सविता शर्मा
6	जिला उपाध्यक्ष	श्री देवी सिंह पटेल
7	जिला उपाध्यक्ष	श्री सुधाकर पाण्डेय
8	जिला उपाध्यक्ष	श्री अनिल मिश्रा
9	जिला महामंत्री	श्री प्रदीप पाण्डेय
10	जिला महामंत्री	श्री रामसुख कुशवाहा
11	जिला महामंत्री	श्री रत्नाकर सिंह पटेल
12	जिला मंत्री	श्री अजय सिंह
13	जिला मंत्री	श्री गौतम भारती
14	जिला मंत्री	श्रीमती मनीषा देवी कोल
15	जिला मंत्री	श्री अजीत कुमार मिश्र
16	जिला मंत्री	श्री पृथ्वीपाल सिंह
17	जिला मंत्री	श्रीमती प्राची [illegible]
18	जिला मंत्री	श्रीमती प्रेमवती पाल
19	जिला मंत्री	श्री नागेश्वर निषाद
20	कोषाध्यक्ष	श्री अनूप केशरवानी
21	जिला आई.टी. संयोजक	श्री सतीश विश्वकर्मा

लखनऊ ट्रैफिक पुलिस में 'हमराही' बनने का खेल! मोटी रकम लेकर होती है सेटिंग, ऊपर तक पहुँच रहा पैसा?

(जीएनएस)।
लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस विभाग को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक 'हमराही' बनने के नाम पर कथित तौर पर मोटी रकम का लेन-देन किया जा रहा है। आरोप है कि इस पूरे खेल में अवैध वसूली का एक संगठित तंत्र काम कर रहा है, जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक

पैसा पहुँचने की बात कही जा रही है बताया जा रहा है कि कुछ ट्रैफिक कर्मियों को 'हमराही' ड्यूटी दिलाने के लिए पहले ही सेटिंग की जाती है। इसके एवज में उनसे मोटी रकम ली जाती है, जिसके बाद सड़क पर वसूली के जरिए उस रकम की भरपाई की जाती है। इस कथित 'हमराही कल्चर' ने ट्रैफिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहों पर चालान की आड़ में खुलेआम वसूली हो रही है। वहीं, इस पूरे मामले में विभागीय जिम्मेदारों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि जांच होती है तो बड़े खुलासे संभव हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को संज्ञान में लेकर क्या कार्रवाई करता है या फिर यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

कलम के कसाई, जब एक सिलेंडर की मदद रंगदारी का जरिया बन गई!

सफेदपोश लुटेरे, पत्रकारिता के चोले में छिपे वसूलीबाज!

लखनऊ। कहने को तो पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, लेकिन उत्तर प्रदेश की राजधानी में कुछ सफेदपोश गिद्धों ने इसे वसूली का अड्डा बना लिया है। ताजा मामला थाना ठाकुरगंज के बालागंज इलाके का है, जहाँ नितिन नाम के एक सीधे-सादे मजदूर की इंसानियत को इन नरभक्षियों ने अपराध साबित करने की ठान ली है।

आईडी कार्ड वाली डकैती, एक सिलेंडर और भूखे पत्रकार!

नितिन, जो दिन भर पसीना बहाकर अपने परिवार का पेट पालता है, उसने गुनाह सिर्फ इतना किया कि गैस की किल्लत से जूझ रहे एक परिचित को अपना निजी सिलेंडर दे दिया। बेचारे को क्या पता था कि लखनऊ की गलियों में कुछ ऐसे तथाकथित पत्रकार घूम रहे हैं, जिनकी नजरें खबरों पर कम और गरीबों की जेबों पर ज्यादा रहती हैं। पिछले चार दिनों से इन कथित पत्रकारों ने नितिन का जीना दूभर कर दिया है। ये खबरिया गिरोह एक मासूम मजदूर का पीछा ऐसे कर रहे हैं जैसे वह कोई अंतरराष्ट्रीय अपराधी हो।

पत्रकारिता का धर्म

होता है शोषितों की आवाज बनना, लेकिन इन आईडी धारक लुटेरों ने इसे ब्लैकमेलिंग का हथियार बना लिया है। हजारों रुपये की मांग और जेल भिजवाने की धमकियां! क्या अब किसी भूखे या जरूरतमंद की मदद करना जेल जाने का सबब बनेगा? इन जाहिल और वसूलीबाज तत्वों ने उस मजदूर को इस कदर प्रताड़ित किया है कि वह अपने मानसिक संतुलन की दहलीज पर खड़ा है।

हैरत की बात तो यह है कि ये कथित पत्रकार अब उस एजेंसी पर भी दबाव बना रहे हैं जहाँ नितिन काम करता है। मकसद साफ है, मोटी वसूली, इनके लिए पत्रकारिता कोई मिशन नहीं, बल्कि वह चोला है जिसके पीछे ये अपनी अवैध उगाही की दुकानें चलाते हैं। इन जैसे गलीज लोगों की वजह से ही आज आम जनता असली और ईमानदार पत्रकारों को भी शक की नजर से देखने लगी है।

शुक्र है कि राजधानी की पुलिस और जागरूक पत्रकार संगठनों ने इस गंदगी को साफ करने का बीड़ा उठाया है। अब समय आ गया है कि ठाकुरगंज पुलिस इन खाकी के दुश्मनों और कलम के लुटेरों को उनके असली घर यानी जेल की काल कोठरी तक पहुँचाए। इन कथित पत्रकारों की फर्जी डिग्रियों और आईडी कार्ड की सघन जांच हो ताकि पत्रकारिता की मयार्दा बच सके।

आरआरएस के पथसंचलन का मुस्लिमों ने फूलों से किया स्वागत

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ /प्रयागराज
वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर पथसंचलन का हुआ आयोजन

नैनी। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर वर्ष प्रतिपदा के दिन होने वाले पथ संचलन का आयोजन रविवार को खरकौनी स्थित माधव ज्ञान केंद्र से किया गया। पथ संचलन में पांच सौ से अधिक स्वतंसेवको ने भाग लिया। पथ संचलन के मुस्लिम बाहुल्य मोहल्ला चकदोदी स्थित कसाई मोहल्ले में स्थानीय लोगों ने फूल बरसा कर स्वागत किया। पथ संचलन क्षेत्र के विभिन्न मोहल्ले से होता हुआ पुनः माधव ज्ञान केंद्र पर आकर समाप्त हुआ इस अवसर पर एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह

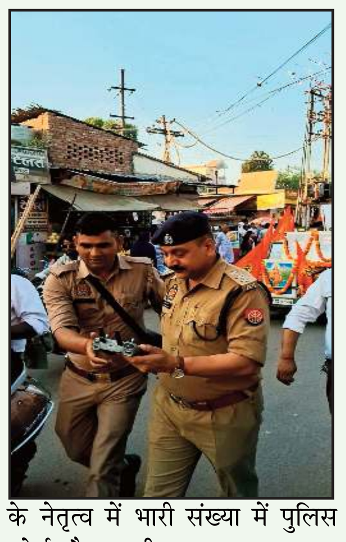

के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार

के जन्मदिन के अवसर पर वर्ष प्रतिपदा मनाया जाता है। इस अवसर पर खरकौनी स्थित माधव ज्ञान केंद्र से पथ संचलन का आयोजन किया गया। पथ संचलन खरकौनी होता हुआ लोकपुर तिराहे से फतेह मियां पुरवा होते हुए अरैल चौराहा से कॉटन मिल तिराहा होते हुए शंकर दल तिराहे पहुंचा। वहां से नैनी बाजार होते हुए नैनी स्टेशन के सामने से चकबंदी कसाई मोहल्ला पहुंचा जहां स्थानीय लोगों ने पथ संचालन में शामिल स्वयं सेवकों पर फूलों की बारिश कर उनका स्वागत किया। यहां से पथ संचलन अरैल चौराहे पहुंचा। जहां से जेल रोड तिराहे होते हुए माधव ज्ञान केंद्र पर जाकर समाप्त हुआ। इस दौरान एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस फोर्स पूरे मार्ग पर मुस्तैद रही।श्ङळ

बांगरमऊ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस पलटी, हादसे में एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 20 अन्य यात्री घायल

(जीएनएस)।
उन्नाव के बांगरमऊ थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक स्लीपर बस पलट गई। इस हादसे में एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 20 अन्य यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और यूपीडा की टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया।यह दुर्घटना आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 239 पर नसीरपुर गांव के पास हुई। बस दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में एक कार्यक्रम से लौटकर लखनऊ की ओर जा रही थी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित हो गई। बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे उसके पहिए रिम सहित निकल

गए।हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बांगरमऊ थाना प्रभारी और यूपीडा टीम ने भारी पुलिस बल के साथ स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बांगरमऊ भेजा गया।मृतकों में लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र निवासी 55 वर्षीय तारावती पत्नी त्रिभुवन शामिल हैं। हादसे में घायल हुए लगभग 20 यात्रियों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम बांगरमऊ ब्रज मोहन शुक्ला और क्षेत्राधिकारी (सीओ) संतोष सिंह बांगरमऊ ने सीएचसी पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में चालक को झपकी आना दुर्घटना का मुख्य कारण बताया जा रहा है। पुलिस ने बस को हटाकर यातायात सुचारु कराया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ईद के दूसरे दिन शादाब रजा का नवाबी अंदाज-मेहमानों पर बरसी मोहब्बत और एहतराम- इज्जत की टोपी पहनाकर जीता दिल-

(जीएनएस)।
लखनऊ में ईद उल फितर का जश्न दूसरे दिन भी पूरे शान-ओ-शौकत के साथ जारी रहा, जब पत्रकार शादाब रजा साहब के आवास पर ईद मिलन का शानदार आयोजन हुआ, इस खास मौके पर शहर के पत्रकार साथियों का जमावड़ा लगा और माहौल पूरी तरह से भाईचारे, मोहब्बत और अपनत्व से भर गया, शादाब रजा ने अपने घर पहुंचे सभी मेहमानों का इस्तकबाल जिस खुलूस, अदब और एहतराम के साथ किया, उसने हर किसी का दिल जीत लिया, मेहमानों की खातिरदारी में कोई कमी नहीं छोड़ी गई, खाने-पीने से लेकर बैठने तक हर व्यवस्था नवाबी अंदाज में नजर आई`

इस खास ईद मिलन को और यादगार बनाने के लिए शादाब रजा ने अपने मेहमानों को गिफ्ट हदिया भी पेश किए, इतना ही नहीं, सभी मेहमानों को एक ही रंग की खूबसूरत 'नवाबी टोपी' पहनाकर इस मौके को

और खास बना दिया, ये टोपी सिर्फ एक पहनावा नहीं बल्कि अदब, इज्जत और अपनत्व की निशानी बन गई`

माहौल में उस वक्त हल्की मुस्कान और ठहाके भी गूंज उठे जब मजाकिया अंदाज में कहा गया— 'ये वो टोपी नहीं जो धोखे से पहनाई जाती है, बल्कि ये इज्जत और मोहब्बत वाली टोपी है! इस जुमले ने पूरे माहौल को और खुशनुमा बना दिया और हर किसी के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी, ईद मिलन के इस आयोजन में न सिर्फ आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली, बल्कि ये भी साबित हुआ कि लखनऊ की तहजीब आज भी जिंदा है, जहां मेहमान नवाजी को सबसे ऊपर रखा जाता है, कार्यक्रम के अंत में सभी मेहमान शादाब रजा की मेहमान नवाजी और उनके नवाबी अंदाज की जमकर सराहना करते नजर आए, कुल मिलाकर, ये ईद मिलन सिर्फ एक मुलाकात नहीं बल्कि मोहब्बत, इज्जत और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर बनकर सामने आया`

थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 01 लोहे का हथौड़ा, 01 तार कटर, 1680 रुपए व निशादेही पर 03 मोबाइल फोन बरामद।

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ /प्रयागराज
दिनांक-22.03.2026*

थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-22.03.2026 को अभियुक्त के कब्जे से 01 लोहे का हथौड़ा, 01 तार कटर, 1680 रुपए व निशादेही पर 03 मोबाइल फोन के साथ अभियुक्त मुन्ना खान उर्फ शाहिल पुत्र इकलाख खान निवासी डिहवा कटैईया थाना सरायं अकिल जनपद कौशाम्बी को थाना औद्योगिक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी तथा वादी मुकदमा धीरज सिंह पुत्र स्व0 चन्द्र देव सिंह निवासी रामपुर थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज की तहरीर बावत आरोपी द्वारा वादी के घर में घुसकर चोरी करने के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 42/2026 धारा 331(3)/305(ए)/317(2)

बीएनएस पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

पूछताछ का विवरण–

अभियुक्त मुन्ना खान उर्फ शाहिल उपरोक्त ने पूछने पर बताया कि मैं अपनी शौक को पूरा करने हेतु चोरी करता हुँ । आज भी चोरी की थी कि घरवाले जग गये और मुझे पकड़ लिया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–

मुन्ना खान उर्फ शाहिल पुत्र इकलाख खान निवासी डिहवा कटैईया थाना सरायं अकिल जनपद कौशाम्बी, उम्र करीब 21 वर्ष ।

बरामदगी का विवरण–

अभियुक्त के कब्जे से 01 लोहे का हथौड़ा, 01 तार कटर, 1680 रुपए नगद व निशादेही पर 03 मोबाइल फोन बरामद

आपराधिक इतिहास/पंजीकृत अभियोग –

1. मु0अ0सं0 22/20 धारा 380/411 भादवि थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी ।
2. मु0अ0सं0 42/2026 धारा 331(3)/305(ए)/317(2) बीएनएस थाना औद्योगिक क्षेत्र कमिश्नरेट प्रयागराज ।

पुलिस टीम का विवरण–

1. रड कमलेश पटेल, थाना औद्योगिक क्षेत्र कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. उ0नि0 सचिन देव वर्मा, थाना औद्योगिक क्षेत्र कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. का0 पवन मिश्रा, थाना औद्योगिक क्षेत्र कमिश्नरेट प्रयागराज ।

डिग्री कॉलेज में भारत युवा सांसद कार्यक्रम का आयोजन 24 मार्च को होगा

(जीएनएस)।
पीलीभीत/बीसलपुर।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में युवा भारत, पीलीभीत के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन 24 मार्च को महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा।

इस वर्ष युवा संसद का मुख्य विषय आपातकाल के 50 वर्षः भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक निर्धारित किया गया है। इस विषय के माध्यम से प्रतिभागी आपातकाल के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, उसके प्रभावों तथा भारतीय लोकतंत्र पर पड़े उसके दूरगामी परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। साथ ही यह कार्यक्रम युवाओं को संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रुति गंगवार अध्यक्ष, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक, बरेली होंगी, जिनकी उपस्थिति कार्यक्रम को विशेष प्रेरणा प्रदान करेगी।महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अलका मेहराने कहा कि युवा संसद का यह विषय वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिससे हमें संविधान की रक्षा, नागरिक अधिकारों के महत्व और सशक्त लोकतांत्रिक संस्थाओं की आवश्यकता के बारे में महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ऐसे विषयों पर विचार-विमर्श से युवाओं में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

उन्होंने कहा कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीसलपुर सदैव विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं नैतिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस युवा संसद के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी अभिव्यक्ति, नेतृत्व क्षमता और तार्किक सोच को सुदृढ़ करने का अवसर मिलेगा, जो उन्हें भविष्य में एक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक होगाआयोजकों ने जिले के सभी महाविद्यालयों एवं युवाओं से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आ'ान किया है, ताकि वे इस महत्वपूर्ण मंच का लाभ उठाकर अपने विचारों को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर सकें और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर प्रमुख क्षेत्रों पर नवीतनम जानकारी

(जीएनएस)।
पश्चिम एशिया के बदलते हालात को देखते हुए, भारत सरकार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तैयारी और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए लगातार सक्रिय कदम उठा रही है। ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री परिचालन और क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सहायता से संबंधित उपायों की नवीनतम जानकारी नीचे दी गई है।

ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन उपलब्धता

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के मद्देनजर, पूरे देश में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की स्थिर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। वर्तमान स्थिति इस प्रकार हैः

कच्चा तेल/तेल शोधन कारखाने

सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता के साथ संचालित हो रही हैं और पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार उपलब्ध है। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है।

रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी उत्पादन को अधिकतम कर दिया गया है।

खुदरा दुकानें, तेल विपणन कंपनियों के किसी भी रिटेल आउटलेट पर ईंधन खत्म होने की कोई सूचना नहीं है। सरकार ने जनता से फिर से अपील करते हुए कहा है कि घबराहट में खरीदारी न करें, क्योंकि पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और नियमित आपूर्ति जारी है।

प्राकृतिक गैस, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आपूर्ति सुरक्षित रखी गई है, जिसमें डी-पीएनजी और सीएनजी-ट्रांसपोर्ट को 100% आपूर्ति शामिल है। ग्रिड से जुड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत का 80% गैस उपलब्ध कराई जा रही है। भारत सरकार ने सीजीडी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे रेस्तरां, होटल और कैंटीन जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी कनेक्शन देने को प्राथमिकता दें, ताकि वाणिज्यिक एलपीजी की उपलब्धता से जुड़ी चिंताओं का समाधान हो सके। आईजीएल, एमजीएल, गेल गैस और बीपीसीएल जैसी सीजीडी कंपनियों ने घरेलू और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन लेने पर प्रोत्साहन की पेशकश की है।

पीएनजीआरबी ने सीजीडी कंपनियों को आवेदन जमा होने और गैस आपूर्ति शुरू होने के बीच की समयसीमा कम करने के निर्देश दिए हैं।

भारत सरकार ने 16.03.2026 को लिखे पत्र के माध्यम से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से सीजीडी नेटवर्क विस्तार के लिए आवश्यक अनुमोदनों को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया है।

18.03.2026 के पत्र के माध्यम से भारत सरकार ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अतिरिक्त 10% वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन देने की पेशकश की है, बशर्ते वे दीर्घकालिक रूप से एलपीजी से पीएनजी में बदलाव में सहयोग करें।

19.03.2026 के पत्र के माध्यम से भारत सरकार ने सभी संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों से अनुरोध किया हैः

सीजीडी अवसंरचना से संबंधित सभी लंबित और नए अनुमतियों को तत्काल तेज गति से निपटाने के निर्देश जारी करें।

सभी केंद्रीय सरकारी प्रतिष्ठानों/कॉलोनियों/अधिकारियों/कैंटीनों को जहां पीएनजी उपलब्ध है, वहां पीएनजी अपनाने की सलाह दी जाए।

20.03.2026 के पत्र के माध्यम से भारत सरकार ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों से अपने मंत्रालयों/विभागों के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठानों में पीएनजी कनेक्शन की संभावित मांग का व्यापक आकलन करने और इस कार्य के समन्वय के लिए प्रत्येक मंत्रालय/विभाग से एक नोडल अधिकारी नामित करने का अनुरोध किया है।

भारत सरकार के उपरोक्त पत्र के जवाब में पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने सभी कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सीजीडी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर, यानी प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निपटान करें।

प्रमुख शहरों और शहरी क्षेत्रों के वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं से पीएनजी में स्थानांतरित होने का अनुरोध किया गया है।

एलपीजी

वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी आपूर्ति अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है।

घरेलू एलपीजी आपूर्तिः

एलपीजी वितरकों के यहां गैस खत्म होने की कोई सूचना नहीं है।

अधिकांश डिलीवरी डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) के माध्यम से हो रही है।

घबराहट में की गई बुकिंग यानि पैनिक बुकिंग में कमी आई है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी सामान्य रूप से हो रही है।

वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्तिः

सरकार ने पहले ही वाणिज्यिक एलपीजी की आंशिक आपूर्ति (20%) बहाल कर दी थी। 18.03.2026 के पत्र के माध्यम से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पीएनजी विस्तार सुधारों के आधार पर अतिरिक्त 10% वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन का प्रस्ताव दिया गया था।